

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, जोहानिन थियोलाॅजी, सत्र 8, यीशु के संकेत, भाग 2, यीशु के समय की बातें, भाग 1

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा जोहानिन धर्मशास्त्र पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 8 है, यीशु के संकेत, भाग 2, यीशु के समय के कथन, भाग 1।

हम जॉन के सुसमाचार या जोहानिन धर्मशास्त्र के धर्मशास्त्र का अपना अध्ययन जारी रखते हैं।

हम चौथे सुसमाचार में यीशु के संकेतों और उनके रहस्योद्घाटन चमत्कारों का अध्ययन कर रहे हैं, और हम दूसरे संकेत तक पहुँच चुके हैं, अध्याय चार में आधिकारिक बेटे का चंगा होना। यह यीशु और सामरी महिला और सामरी लोगों के प्रकरण के बाद होता है। और इसलिए वह फिर से गलील के काना में आया, जहाँ उसने पानी को शराब बना दिया था।

कफरनहूम में एक अधिकारी था जिसका बेटा बीमार था। जब इस व्यक्ति ने सुना कि यीशु यहूदिया से गलील में आया है, तो वह उसके पास गया और उससे विनती की कि वह आकर उसके बेटे को चंगा कर दे, क्योंकि वह मरने के कगार पर था। इसलिए, यीशु ने उससे कहा, जब तक तुम, यह बहुवचन है, चिन्ह और चमत्कार नहीं देखोगे, तब तक तुम विश्वास नहीं करोगे।

उस ने उस से कहा, हे प्रभु, मेरे बच्चे के मरने से पहले नीचे आ जा। यीशु ने उस से कहा, जा, तेरा बेटा जीवित रहेगा। उस ने यीशु की कही हुई बात पर विश्वास किया, और अपने मार्ग पर चला गया।

जब वह नीचे जा रहा था, तो उसके नौकरों ने उससे कहा कि उसका बेटा ठीक हो रहा है। इसलिए उसने उनसे पूछा कि वह कब ठीक होने लगा। और जब उन्होंने उससे कहा कि कल सातवें घंटे में उसका बुखार उतर गया।

पिता को पता था कि यह वही घड़ी है जब यीशु ने उससे कहा था, तेरा बेटा जीवित रहेगा। और उसने और उसके सारे घराने ने विश्वास किया। यह दूसरा चिन्ह था जो यीशु ने यहूदिया से गलील में आकर दिखाया था।

मैंने कहा कि मैं जिन सात संकेतों के बारे में बता रहा हूँ, उनमें से पाँच यीशु को जीवनदाता के रूप में बताते हैं। ज़्यादातर संकेत यही कहते हैं। और यह उनमें से एक है।

यीशु उस बेटे को जीवन देता है जो मरने के करीब है, शारीरिक जीवन। वह जीवनदाता था, है। वह उस परिवार को भी अनंत जीवन देता है जो विश्वास करता है।

अधिकारी का विश्वास गलीलियों की सामान्य अस्वस्थता और आध्यात्मिक अस्वस्थता के विपरीत है। जिसके बारे में यीशु ने कहा, “जब तक तुम चिन्ह और चमत्कार न देखो, तब तक विश्वास नहीं करोगे।” इस व्यक्ति ने यीशु की बात पर विश्वास किया और घर की ओर चल पड़ा।

उसने यह नहीं कहा कि अरे, नहीं, नहीं, कृपया, आपको आना ही होगा। वह दूर-दूर से उपचार में विश्वास करता था। उसने यीशु पर भरोसा किया, और उसका भरोसा सही था।

वास्तव में, सरकारी बेटे को ठीक करना उल्लेखनीय है। वास्तव में, 98 बार, जॉन ने विश्वास की बात की है। लेकिन यह उससे कहीं अधिक जटिल है, जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं।

जॉन का सुसमाचार एक नदी है जिसमें एक बच्चा भी तैर सकता है और एक हाथी भी तैर सकता है। अगर हम विश्वास की उन सभी घटनाओं का अध्ययन करें, तो हमें अपर्याप्त विश्वास का सिद्धांत मिलता है। हम इसे सबसे पहले अध्याय 2, श्लोक 23 में पाते हैं।

जब वह फसह के पर्व पर यरूशलेम में था, तो बहुतों ने उसके नाम पर विश्वास किया। और जो चिन्ह वह दिखाता था, उसे देखकर वे अच्छे लगे।

यह 20, 30 और 31 में दिए गए उद्देश्य कथन से मेल खाता है। ये चिह्न इसलिए लिखे गए हैं ताकि आप विश्वास कर सकें। और इसी तरह हम यूहन्ना के सुसमाचार में अपर्याप्त विश्वास को पहचानते हैं।

बेशक, बहुत ही नजदीकी संदर्भ से। जब उन्होंने उसके द्वारा किए जा रहे चिन्हों को देखा तो उन्होंने उसके नाम पर विश्वास किया। यूहन्ना 2, 24.

लेकिन यीशु ने अपने आपको उनके भरोसे पर नहीं छोड़ा क्योंकि वह सब लोगों को जानता था। और किसी को भी उस व्यक्ति के बारे में गवाही देने की ज़रूरत नहीं थी। क्योंकि वह खुद जानता था कि एक व्यक्ति के अंदर क्या है।

मैं अब ऐसा नहीं करूँगा, लेकिन अगले ही शब्द कहते हैं, अब वहाँ एक आदमी था। निकोडेमस की बात कर रहा हूँ। हम अभी वहाँ नहीं जाएँगे, लेकिन वहाँ एक पुल है।

यह अपर्याप्त विश्वास है। जाहिर है, यह सिर्फ यीशु पर एक चमत्कार करने वाले के रूप में विश्वास है। निश्चित रूप से, अगर कोई वास्तव में यीशु पर विश्वास करता है, तो यीशु खुद को उनके लिए समर्पित कर देगा।

और खुद को उन पर भरोसा रखो। तो, यह अपर्याप्त विश्वास है। आश्चर्यजनक रूप से, सामरिया में, यीशु को बहुत सारा विश्वास मिलता है।

यह बहुत अप्रत्याशित है। यूहन्ना ने भले सामरी के दृष्टांत को दोहराया नहीं है। लेकिन उसने एक सामरी स्त्री को दिखाया है।

अगर आप चाहें तो वह उसे एक महिला प्रचारक के रूप में चित्रित करता है। शहर को प्रभु की ओर ले जाती है। और सामरी लोग महान विश्वासी हैं।

इसे देखिए। यूहन्ना 4, 41. और भी बहुत कुछ।

तो, 2:23, 24 में आपका विश्वास अपर्याप्त है। दरअसल, आपके पास निकुदेमुस का विश्वास न होना, यहाँ तक कि समझ न होना भी है। अध्याय 3 में, आपके पास सामरी स्त्री का विश्वास होना है।

और केवल इतना ही नहीं, आयत 41. यीशु कुछ दिनों तक उनके साथ रहता है। 4:41.

यीशु के वचन के कारण बहुत से लोग विश्वास करते हैं। उन्होंने उस स्त्री से कहा, “अब हम तेरे कहने से विश्वास नहीं करते, परन्तु हम ने आप ही सुन लिया है, और जानते हैं कि यही सचमुच जगत का उद्धारकर्ता है।” फिर हमने ये वचन पढ़े।

इसके बाद, दो दिन बाद, वह गलील के लिए रवाना हो गया। एक पैरेन्थेटिक टिप्पणी, एक व्याख्यात्मक टिप्पणी। क्योंकि यीशु ने खुद गवाही दी थी कि एक भविष्यद्वक्ता को उसके गृहनगर में कोई सम्मान नहीं मिलता।

यह कोई उत्साहवर्धक शब्द नहीं है। इससे पता चलता है कि इसके बाद के शब्द वास्तविक और पूर्ण विश्वास नहीं दिखाते। पर्याप्त विश्वास नहीं।

इसलिए, जब वह गलील आया, तो उन्होंने उसका स्वागत किया। यह अपने आप में अच्छा होगा। मैं इसे बुरी बात नहीं मानता, सिवाय इसके कि इसके पहले के शब्दों को छोड़ दें।

और ये शब्द एक सवाल भी पैदा कर सकते हैं। यरूशलेम में पर्व के समय उसने जो कुछ किया था, उसे देखकर, क्योंकि वे भी वहाँ गए थे। यह 2:23, 24 की ओर वापस जाता है, जहाँ हमें अपर्याप्त विश्वास का पहला उल्लेख मिलता है।

फिर यीशु गलील के काना में आए, जहाँ उन्होंने पानी को शराब में बदल दिया। और तब उन्होंने कहा, जब तक तुम लोग चिन्ह और चमत्कार नहीं देखोगे, तब तक तुम विश्वास नहीं करोगे। और इसके बावजूद, अधिकारी ने बहुत विश्वास दिखाया, यह विश्वास करते हुए कि यीशु केवल अपने वचन बोलकर दूर से ही चंगा कर सकते हैं।

इसलिए, हमें चौथे सुसमाचार में मसीह पर विश्वास करने का आह्वान पाकर आश्चर्य नहीं हुआ। बहुत स्पष्ट। ऐसा लगता है जैसे यीशु मुझसे सीधे बात कर रहे हैं; वह सच में ऐसा ही कर रहे हैं।

लेकिन हमारे पास यह सिद्धांत भी है, और हम इसे अन्य स्थानों पर भी देखेंगे। यह अध्याय 8 में है, जो टिप्पणीकारों को उलझन में डालता है। टिप्पणीकार यूहन्ना द्वारा कही गई सीधी-सादी बातों का विरोध करते हैं क्योंकि उनके दिमाग में यह बहुत ही असंभव है कि ये यहूदी, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे उस पर विश्वास करते हैं, दावा करते हैं कि वे पाप के दास हैं।

यह कोई अलग समूह होगा। मुझे ऐसा नहीं लगता। मुझे ऐसा नहीं लगता।

फिर, अध्याय 12 में, हम इसे यूहन्ना के सुसमाचार में अलग-अलग जगहों पर देखेंगे। अध्याय 5 में यीशु एक लंगड़े आदमी को ठीक करते हैं। भेड़ों के फाटक के पास एक तालाब था। वहाँ बहुत से अपाहिज, लेटे हुए, लंगड़े और लकवाग्रस्त लोग थे।

एक व्यक्ति बीमार था। हम नहीं जानते कि वह 38 साल से इस तरह से पैदा हुआ था या नहीं। यीशु ने पूछा, क्या तुम चंगे होना चाहते हो? उस व्यक्ति ने कहा, हाँ, हाँ। महोदय, मेरे पास कोई नहीं है जो मुझे पानी हिलाए जाने पर कुंड में उतार दे।

एक मिथक था, कम से कम मुझे तो लगता है कि यह मिथक ही है कि एक देवदूत कुंड में आता था, और अगर आप तुरंत उसमें कूद जाते, तो आप ठीक हो सकते थे। लेकिन जब मैं वहाँ पहुँचने और सबसे पहले पहुँचने की कोशिश कर रहा था, तो कोई और मुझसे पहले पहुँच गया। एक पाठ्य संस्करण है जो यहाँ नहीं है, जो देवदूत के बारे में बात करता है।

यीशु ने उससे कहा, और उसने वैसा ही किया। और वह मनुष्य तुरन्त चंगा हो गया, और अपनी खाट उठाकर चलने लगा। और फरीसी और सरदार कहने लगे, प्रभु की स्तुति हो।

यह परमेश्वर का राज्य आ रहा है। यशायाह की तरह, नहीं, उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कहा कि उसने शनिवार को ऐसा किया। आप जानते हैं कि कानून कहता है, शनिवार को तुम लंगड़े लोगों को ठीक नहीं करोगे।

हे भगवान। यही कारण है कि जॉन इसे उद्धृत नहीं करता है, लेकिन वह इसे बार-बार दिखाता है। इसका मतलब है, वे मच्छर को छानकर निकाल देते हैं और ऊँट को निगल जाते हैं।

वे तुच्छ चीजों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वह आदमी अपनी चटाई लेकर चला गया। भगवान के लिए, वह चमत्कारिक रूप से ठीक हो गया था।

क्या आप अपनी चटाई नहीं उठाएंगे? ओह, मेरी अच्छाई। और वे ऊँट को निगल रहे हैं। वे उस चीज़ पर ठोकर खा रहे हैं जो उन्हें धन्यवाद देने का एक बड़ा कारण होना चाहिए।

परमेश्वर ने अपनी महिमा दिखाई है। परमेश्वर अब्राहम के बेटे पर दयावान रहा है। यह आश्चर्य की बात है कि यीशु यह सब कैसे सहन कर सका।

आप शनिवार को अपना बिस्तर नहीं उठा सकते। उस आदमी ने कहा कि वह छोटे आदमी की तरह लगता है। मुझे वास्तव में नहीं पता था कि वह छोटा था, लेकिन मैं उसे अध्याय नौ में एक छोटे से उग्र आदमी के रूप में देखता हूँ।

शायद यह एक पवित्र कल्पना है। कम से कम, मुझे उम्मीद है कि यह पवित्र है। यहाँ, यह आदमी कहता है, मुझे अंधे आदमी की तरह लगता है।

जिस आदमी ने मुझे ठीक किया, उसने मुझसे कहा, अपना बिस्तर उठाओ और चलो। और अगर उसने कहा, अपने बाएं कान के पीछे खंभा रखकर 10 मील चलो, तो मैं उस पर तैयार हूँ। वह जो भी कहेगा, मैं वही करूँगा।

ओह, मेरा वचन। एक बार फिर, इस मामले में लंगड़े, जो चंगे हो गए हैं, में इस्राएल के पिताओं और भाइयों की तुलना में बेहतर आध्यात्मिक प्रवृत्ति है। वह कौन आदमी है जिसने आपको सब्त तोड़ने के लिए कहा? वह नहीं जानता था कि यीशु कौन है, या यीशु ने श्रेय पाने के लिए इधर-उधर नहीं देखा।

यीशु उसे मंदिर में पाता है और कहता है, अब और पाप मत करो, ताकि तुम्हारे साथ कुछ बुरा न हो। क्या इससे यह निष्कर्ष निकालना ज़रूरी है कि उसकी दुर्बलता सीधे तौर पर किसी कारण से हुई थी, नहीं। लेकिन क्या वह शराबी बन सकता था और अपना जिगर खराब कर सकता था? ज़रूर।

या शायद कुछ लोग सोचते हैं कि वह आध्यात्मिक खतरे की भी बात कर रहा है। वह आदमी चला गया और यहूदियों से कहा कि यह यीशु ही था जिसने उसे ठीक किया था। मुझे नहीं लगता कि ऐसा करने के लिए उसे कृतज्ञता के उच्च अंक मिलते हैं।

वैसे भी, वे यीशु को इसलिए सता रहे थे क्योंकि वह सब्त के दिन ये सब काम कर रहा था। आह।

लेकिन यीशु ने उनसे कहा कि जब लड़ाई ज़रूरी हो तो वह पीछे हटने वाला नहीं है। अगर वह हर समय दूसरी तरफ़ देखता, तो वे अपने पापों में मर जाते। उसने कम से कम कुछ लोगों को उनके आध्यात्मिक स्तब्धता से जगाया और उनका सामना करके उन्हें चुनौती दी।

इसीलिए वह शनिवार को चंगा करता है। प्रेरितों के काम 6 में, बहुत से लोगों ने, यहाँ तक कि याजकों और लेवियों ने भी उस पर विश्वास किया। अगर यीशु ने अच्छा खेला होता, अगर उसने सॉफ़्टबॉल खेला होता, तो मुझे नहीं पता कि ऐसा होता या नहीं।

परमेश्वर ने अपने बेटे का इस्तेमाल लोगों की खातिर अधिकारियों से भिड़ने के लिए किया, सबसे पहले, उन्हें इन नेताओं से अलग करने के लिए ताकि वे उन पर विश्वास कर सकें। सिनॉप्टिक्स कहते हैं कि यीशु अंदर से हिल गया था। वह दुखी था क्योंकि लोग बिना चरवाहे की भेड़ों की तरह थे।

मेरे पिता अब तक काम करते रहे हैं, और मैं भी काम कर रहा हूँ। एक बार फिर, मैं यीशु को लंगड़े आदमी को ठीक करते हुए देखता हूँ जो उसके जीवनदान का हिस्सा है। उसने जीवन दिया।

उसने शक्ति दी। उसने एक ऐसे व्यक्ति को शक्ति और उपचार दिया जिसके पैर 38 वर्षों से निष्क्रिय थे, और वह तुरंत उठ खड़ा हुआ और चलने लगा। ओह, वे उसे मारने के लिए और भी अधिक प्रयास कर रहे हैं, यूहन्ना 5:18, क्योंकि न केवल वह इस भयानक, घोर तरीके से सब्त का

उल्लंघन कर रहा था, ओह, मैं मज़ाक कर रहा हूँ, बल्कि वह परमेश्वर को अपना पिता भी कह रहा था, है न? बेशक, वे ऐसा करेंगे, लेकिन इस तरह से नहीं।

वह ईश्वर को अपना पिता कह रहा था, खुद को ईश्वर के बराबर बता रहा था। मैं इस बारे में बात नहीं करूँगा, लेकिन मैं इस मामले पर बात करूँगा। बेशक, वे कहेंगे कि ईश्वर उनका पिता है।

ओह, यीशु ने पिता के साथ अपने रिश्ते में परमेश्वर के पितृत्व को प्रकट किया और फिर विश्वासियों को पिता के साथ अपने अधीन उस रिश्ते में आमंत्रित किया। लेकिन यह पुराने नियम का सत्य था। लेकिन यीशु ने दावा किया कि उसका उपचार उसके पिता का काम था।

और वे समझ गए कि ईश्वर के बारे में बात करने का यीशु का यही तरीका था। मेरे पिता अभी भी काम कर रहे हैं, और मैं भी काम कर रहा हूँ। तल्मूड बाद की रचना है, लेकिन हमें लगता है कि इसके कई विचार यीशु के समय से ही जुड़े हुए हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह लेखन बाद में किया गया है। और यह ज्ञान और हास्यास्पदता का एक बेहतरीन मिश्रण है। रब्बियों द्वारा रब्बियों पर टिप्पणी करना, लेकिन इसमें कुछ वास्तविक ज्ञान है।

वैसे भी, यहूदियों, क्या पेड़ पर बैठे हुए शेमा कहना उचित है? रब्बी एलीएज़र कहते हैं कि हाँ, क्योंकि भगवान ने आकाश और पृथ्वी बनाई है। रब्बी याकोव कहते हैं कि नहीं, क्योंकि आप ज़मीन पर अपने पैरों पर खड़े होते हैं और अपना हाथ ऊपर उठाते हैं। वैसे भी, यहाँ एक वास्तविक समस्या थी।

यहूदियों ने इस बारे में गहराई से सोचा, भगवान सातवें दिन आराम करते हैं। क्या भगवान शनिवार को काम करते हैं? यह तल्मूड में संबोधित एक गंभीर समस्या थी। और जब यहूदियों ने इस बारे में लंबे समय तक और गहराई से सोचा, तो उन्होंने कहा कि भगवान सब्त के दिन कम से कम तीन काम करते हैं।

वह बच्चों को दुनिया में लाता है। जन्म सप्ताह के सातों दिन होता है। वे यह कहने के लिए तैयार नहीं थे कि शनिवार को जन्म का कोई अलग कारण था।

बुजुर्ग यहूदी सप्ताह के सातों दिन मरते थे। एक बार फिर, प्रभु ने उन्हें उठा लिया। और ईश्वर, जो सृष्टिकर्ता है, वह ईश्वरीय व्यवस्था का भी ईश्वर है।

और भगवान दुनिया को सप्ताह के सातों दिन चलाते रहते हैं। हमें लगता है कि यह कुछ ऐसी ही पृष्ठभूमि है जो श्लोक 16 के पीछे है। मेरे पिता अभी तक काम कर रहे हैं।

कुछ ऐसे काम हैं जो भगवान सप्ताह के सातों दिन करते हैं। और मैं काम कर रहा हूँ। मैं भगवान के काम करता हूँ।

और मैं ईश्वर का स्थान लेता हूँ। वह जॉन में ऐसा नहीं कहता, लेकिन हम इस संक्षिप्त कथन के बारे में सोचने से खुद को नहीं रोक सकते, मनुष्य का पुत्र सत्त का प्रभु है। जब तक आप ईश्वर, एक दिव्य प्राणी नहीं हैं, तब तक यह कहना एक अपमानजनक बात है।

उन्हें यह बात समझ में आ गई है। और वे बहुत दुखी हैं। और वे उसे पत्थर मारकर मार डालेंगे।

वे उसे मारना चाहते हैं। वे उसे और भी ज़्यादा मारना चाहते हैं। सिर्फ़ इसलिए नहीं कि वह सत्त का उल्लंघन कर रहा था, बल्कि इसलिए भी कि वह परमेश्वर को अपना पिता कह रहा था, इस तरह से कि वह खुद को परमेश्वर के बराबर बता रहा था।

खैर, यह स्पष्ट है। मैं 5,000 लोगों को भोजन कराने की बात नहीं दोहराऊंगा। जब मैंने उनसे व्यवहार किया, तो मैंने कहा कि मैं जीवन की रोटी हूँ; मैंने इस पर चर्चा की।

मैं बस इतना ही कहूंगा कि इस चिन्ह का अर्थ एक बार फिर यह दिखाना है कि यीशु जीवनदाता है। मनुष्य ने जंगल में पूर्वजों का भरण-पोषण किया है। यीशु द्वारा रोटियों, खास तौर पर रोटियों और मछलियों को बढ़ाने से भी लोगों में जोश भर गया और वे जीवित रहे।

और उससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उसका खून पीना और उसका शरीर खाना ही अनंत जीवन लाता है। वह जीवनदाता है। यीशु समुद्र में शिष्यों को बचाता है, 6, 16 से 21।

जब शाम हुई, यूहन्ना 6, 16. मैं इसे एक और जगह के रूप में देखता हूँ। मैं इसे इस तथ्य के साथ ओवरलैपिंग के रूप में देखता हूँ कि मैं भेड़ों का द्वार हूँ।

यीशु ही धरती पर परमेश्वर के लोगों तक पहुँचने का मार्ग है। और मैं ही मार्ग हूँ, पिता के स्वर्गीय घर तक जाने का मार्ग। मेरे बिना कोई भी पिता के पास नहीं आ सकता।

मैं कह रहा हूँ कि ये दोनों ही संकेत दिखाते हैं कि वह एक उद्धारकर्ता है। यह चिन्ह भी यही दर्शाता है। जब शाम हुई, यूहन्ना 6:16, उसके शिष्य झील के किनारे गए, नाव में सवार हुए, और समुद्र पार करके कफरनहूम की ओर चल पड़े।

अब अंधेरा हो चुका था। और यीशु अभी तक उनके पास नहीं आया था। समुद्र में तूफान आ गया था क्योंकि तेज़ हवा चल रही थी।

याद रखें, ये नाविक हैं, इनमें से कम से कम चार लोग। जब वे लगभग तीन या चार मील नाव चला चुके थे, तो उन्होंने यीशु को पानी पर चलते हुए, नाव के पास आते देखा। और ठीक वैसे ही जैसे हम होते, वे भी डर गए।

क्या तुम मज़ाक कर रहे हो? यह तो और भी बुरा है। वे नाविक हैं। और फिर वे उसे नाव में ले जाने में खुश थे।

और तुरंत ही नाव उस जगह पर पहुंच गई जहां वे जा रहे थे। इस पर बहस हो सकती है, लेकिन मुझे लगता है कि यह एक संकेत है। और यीशु को उद्धारकर्ता के रूप में दिखाया गया है।

वह उन्हें तूफान से बचाता है। यह बात तो साफ़ है। और क्या वहाँ मोटरबोट जैसा ऑपरेशन चल रहा था? ऐसा कुछ-कुछ ऐसा ही लगता है।

कुछ लोग कहते हैं, और कोहरा छँट गया, और उन्होंने देखा कि वे किनारे के करीब थे। शायद। मैं पॉल और उनके पत्रों के धर्मशास्त्र में डौग मू की तरह बनना चाहता हूँ।

वह वास्तव में, शायद, शायद मेरे लिए बहुत ज़्यादा कहता है। लेकिन निष्पक्षता की बात करें। ओह, मुझे वह आदमी पसंद है।

ओह, यहाँ तीन दृष्टिकोण हैं। और मैं वास्तव में इस एक से असहमत हूँ। लेकिन इन दोनों के बीच निर्णय करना वास्तव में कठिन है।

लेकिन मैं तीसरे को थोड़ा ज़्यादा पसंद करता हूँ, क्योंकि यह बहुत बढ़िया विद्वत्तापूर्ण है। मेरे सेमिनरी के दिनों में, हमारे पास एक महान विद्वान थे, और उन्होंने हमेशा हमें पाँच दृष्टिकोण दिए, और ये तीन संभव हैं। हमारे संकाय में प्रचारक थे।

वे कभी-कभी बहुत हठधर्मी होते थे क्योंकि प्रचारक यह नहीं कह सकते थे कि, ओह, तीन दृष्टिकोण हैं। आपको कुछ उपदेश देना होगा। वैसे भी, यीशु उन्हें तूफान से बचाता है और शायद नाव को तुरंत दूसरी तरफ ले जाता है।

मतभेद है। और मैं डौग मू की तरह कहूँगा कि मैं उन लोगों का सम्मान करता हूँ जो मुझसे सहमत हैं और जो असहमत हैं। समुद्र में शिष्यों को बचाता है।

मैं एक बचाव देख रहा हूँ। मैं एक संकेत देख रहा हूँ। जन्म से अंधे व्यक्ति को ठीक करना।

हमने यह पहले ही कर लिया है। मैं इसे दोहराना नहीं चाहता। मैं बस इतना कहूँगा कि यह वही है जो मैं कह रहा हूँ।

मैं दुनिया की रोशनी हूँ, और यह यीशु को प्रकटकर्ता के रूप में दिखाता है। वह लाज़र को जीवित करता है। मैं इसे दोहराने नहीं जा रहा हूँ।

इससे पता चलता है कि यीशु जीवनदाता है। मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ, और वह अपने मित्र को मृतकों में से जीवित करके इसे साबित करता है। मैं इसे दोहराना नहीं चाहता।

अध्याय 21 में मछलियों के चमत्कारी पकड़ का वर्णन बहुत बढ़िया है। मुझे यकीन है कि आपने इसे पहले कभी नहीं सुना होगा। यह एक बढ़िया अंश है।

21 इसके बाद यीशु ने गलील की झील के किनारे अपने चेलों पर फिर से अपने आप को प्रगट किया। और उसने अपने आप को इस प्रकार प्रगट किया।

वहाँ बहुत से शिष्य थे। पतरस ने कहा, मैं मछली पकड़ने जा रहा हूँ। वे बाहर निकले और नाव में बैठकर सारी रात मछली पकड़ी, और ज़िप्पो को ढूँढ़ निकाला।

कोई मछली नहीं। जैसे ही दिन निकलने वाला था, यीशु किनारे पर खड़ा था। फिर भी शिष्यों को पता नहीं था कि यह यीशु था।

उसने उनसे कहा, बच्चे। अब, यह बात मुझे हैरान कर रही है। क्या कोई और उन्हें बच्चे कहेगा? क्या किसी बड़े व्यक्ति के लिए उनसे बात करने का यह पारंपरिक तरीका होगा? मुझे नहीं पता।

मैंने सोचा कि शायद यह अच्छा होता। क्या तुम्हारे पास कोई मछली है? नहीं। नाव के दाहिनी ओर जाल डालो, तुम्हें कुछ मिल जाएगा। मुझे नहीं पता।

मुझे लगता है कि दुनिया में अलग-अलग तरह के मछुआरे हैं, लेकिन मैं कुछ पुराने नाविकों को यह कहते हुए देख सकता हूँ कि, "भाड़ में जाओ तुम। मैं ऐसा नहीं करूँगा। मैंने सारी रात मछलियाँ पकड़ीं और कुछ नहीं मिला।"

लेकिन वे तुरंत आज्ञा का पालन करते हैं। यह मेरे दिमाग को झकझोर देता है। लूका 5. क्या पतरस को इसमें हिचकिचाहट नहीं होती? क्या उन्हें हिचकिचाहट नहीं होती? मुझे लगता है कि उन्हें हिचकिचाहट होती है।

नतीजा वही है। और इसीलिए जॉन जानता है कि वह कौन है। हाँ, पीटर।

लूका 5. गहरे समुद्र में जाओ और मछलियाँ पकड़ने के लिए अपने जाल डालो। पतरस बुरा नहीं है, लेकिन वह कहता है, "गुरु, हमने सारी रात मेहनत की और कुछ भी नहीं पकड़ा।" लेकिन यह आपका वचन है।

मैं जाल नीचे गिरा दूँगा। धमाका! वे जाल तोड़ रहे हैं। कम से कम समय तो चमत्कारी है।

तो, उन्होंने एक नोट फेंका। जाल। नोट।

जाल नाव के दाहिनी ओर है। मैं इन शब्दों को मिला रहा हूँ। और अब वे मछलियों की अधिकता के कारण इसे खींच नहीं पा रहे थे।

इसलिए, जिस शिष्य से यीशु प्रेम करता था, उसने पतरस से कहा; यह प्रभु है। उन्हें याद है कि लूका 5 में क्या हुआ था। पतरस एक निजी मुलाकात चाहता है। उसने अपने अधोवस्त्र पहने हुए हैं।

वह यीशु से मिलने के लिए अंदर जाता है। और यह आमने-सामने की लड़ाई है। यीशु उसे कठिन पश्चाताप के तीन चरणों से गुज़ारता है।

मैं इसे तीन इनकारों को सुधारने के लिए लेता हूँ। यीशु और पतरस अकेले। अन्य शिष्य, यूहन्ना 21, 8, नाव में आए, मछलियों से भरा जाल खींचते हुए।

क्योंकि वे ज़मीन से ज़्यादा दूर नहीं थे, बल्कि लगभग 100 गज की दूरी पर थे। यीशु वहाँ थोड़ा खाना पका रहे थे। थोड़ी लकड़ी का कोयला जल रहा था।

कुछ मछलियाँ ले आओ। शमौन पतरस नाव पर गया और जाल को किनारे पर खींच लाया। वह एक बलवान आदमी है।

बड़ी मछलियों से भरा हुआ। उनमें से 153। सेंट ऑगस्टीन और अन्य पिताओं ने प्रतीकात्मक रूप से इसकी व्याख्या की।

जॉन गिनती करता है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह दुनिया का हिस्सा है, मैं भूल गया, या जो भी वे इसके साथ करते हैं। और हालांकि बहुत सारे थे, जाल फटा नहीं था। ऐसा लगता है कि यह असामान्य है, लेकिन मैं अनावश्यक रूप से संकेतों को गुणा करने की कोशिश नहीं कर रहा हूँ।

आओ और नाश्ता करो। फिर से, यह मेरी निजी व्याख्या नहीं है, लेकिन लूका 5 में, यीशु इसे सिखाने के लिए एक अवसर के रूप में उपयोग करता है, मैं तुम्हें मनुष्यों के मछुआरे बनाऊंगा। जॉन के लिए प्रथागत रूप से, वह एक समकालिक शिक्षा, या इस मामले में, एक समकालिक घटना का उल्लेख करता है।

क्या मैं यह कह रहा हूँ कि यह एक ही पकड़ है? नहीं, नहीं। यह मछलियों के दो अलग-अलग बड़े ढेरों के समान है, ठीक है? लेकिन उन्हें उस एक को याद रखना है, और उन्हें ये शब्द याद रखने हैं, मैं तुम्हें मनुष्यों के मछुआरे बनाऊंगा। इसलिए, यह चिन्ह यह भी दर्शाता है कि यीशु उद्धारकर्ता है क्योंकि वह उनके माध्यम से मनुष्यों को बचाएगा।

इसलिए, सात चिह्नों के साथ-साथ यीशु का पुनरुत्थान और आठवाँ चिह्न, मछलियों का चमत्कारी रूप से पकड़ा जाना। और मैं उन्हें लेबल कर दूँ। पानी से शराब बनाना ही उद्धारक है।

यीशु ने यहूदी शुद्धिकरण संस्कारों को परमेश्वर के राज्य की नई शराब से बदल दिया। सूर्य की मछली को चंगा किया, जीवनदाता। लंगड़े, मनुष्य को भी चंगा किया, वही।

5,000 लोगों को भोजन कराया, वही। समुद्र में शिष्यों को बचाया, उद्धारकर्ता। जन्म से अंधे व्यक्ति को चंगा किया, प्रकटकर्ता।

लाजरस को जीवनदाता के रूप में उठाता है। खुद को जीवनदाता के रूप में उठाता है। चमत्कारिक रूप से मछली पकड़ना, उद्धारकर्ता।

मैं यूहन्ना 14:6 का उपयोग करूँगा, न केवल उन बातों के लिए जो मैं हूँ, बल्कि यूहन्ना 14:6, मैं ही मार्ग हूँ। मेरे अलावा कोई भी पिता के पास नहीं आता। यीशु उद्धारकर्ता है।

पानी को शराब में बदलना यही दर्शाता है। समुद्र में शिष्यों को बचाना यही दर्शाता है। मछलियों को चमत्कारिक रूप से पकड़ना उन्हें मनुष्यों के मछुआरे बनने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए बनाया गया है।

तीन बार उद्धारकर्ता। मैं सत्य हूँ। मुझे लगता है कि केवल एक संकेत यह सिखा रहा है कि यीशु ही प्रकटकर्ता है।

बाकी सभी दिखाते हैं कि वह जीवनदाता है। जहाँ तक क्राइस्टोलॉजी की बात है, चौथे सुसमाचार का मुख्य जोर इसी पर है। ओह, वह ईश्वर का प्रकटकर्ता है।

किसी ने भी परमेश्वर को इस तरह प्रकट नहीं किया जैसा उसने किया। हे भगवान। लेकिन उस रहस्योद्घाटन का मुख्य भाग यह है कि वह वही है जो अनन्त जीवन देता है।

अरे हाँ, वह उद्धारकर्ता है। और जॉन के पास प्रायश्चित के भाव हैं। शायद वे नहीं जिनकी आप उम्मीद कर रहे थे।

मैंने उम्मीद न करना सीख लिया है। ओह, मुझे बाइबल में यह बात पढ़कर बहुत आश्चर्य हुआ। मुझे आश्चर्य नहीं हुआ।

मैं बाइबल में कुछ खोजने की उम्मीद नहीं करता। मैं बाइबल में जो है उसे खोजता हूँ। मैं बाइबल में जो है उसे खोजने की कोशिश करता हूँ।

मुझे पता है कि मैं इसे पूरी तरह से नहीं कर पाता, लेकिन मैं यह जानने की कोशिश करता हूँ कि वहाँ क्या है। समय की बातें। मेरे पास पाँच अलग-अलग श्रेणियाँ हैं।

यीशु के सार्वजनिक प्रकटीकरण का समय। मैंने पहले भी इसका जिक्र किया है। पिता द्वारा बेटे की सुरक्षा का समय।

कम से कम दो बार। वर्तमान और भविष्य में। पहले भी और अभी तक नहीं भी।

यीशु के महिमामंडन का समय खास तौर पर। पिता की सुरक्षा का समय, और यूहन्ना के भाषण में, इसका मतलब है कि उसे क्रूस पर चढ़ाया जा रहा है। वह जी उठा है और अपने पिता के पास वापस जा रहा है।

क्रूस को उसके महिमामंडन में शामिल किया गया है। शिष्यों के उत्पीड़न का समय। बहुत महत्वपूर्ण रूप से, महिमा की पुस्तक में, इसे चित्र में लाया गया है।

यीशु के समय की बातें। मैं कम से कम वहीं से शुरू करना चाहूँगा। हमने अध्याय 2 में देखा कि एक शादी में शराब खत्म हो गई थी।

यीशु दूल्हे की जगह लेता है और शराब उपलब्ध कराता है। ओह माय, क्या पानी को शराब में बदलकर बड़े बर्तन भरे जा सकते हैं? वह वही काम करता है जो सृष्टि में पिता का प्रतिनिधि था।

अगर आप कहें तो यहाँ मनोरंजन का यही काम है। मेरा समय अभी नहीं आया है, माँ।

मैं इसे अपने विजयी प्रवेश का समय मानता हूँ। मेरा सार्वजनिक और भव्य प्रकटीकरण जिसमें वह एक राजा के रूप में गधे पर सवार होकर यरूशलेम में प्रवेश करता है, और बच्चे होसन्ना चिल्लाते हैं, और नेता कहते हैं कि उसे ऐसा करने से रोके। यीशु कहते हैं कि अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो पत्थर चिल्ला उठेंगे।

वह अब इसे छिपा नहीं रहा है। वह अब यह नहीं कह रहा है कि देखो, जाओ और किसी से कहो कि उसने चंगा किया है। जाओ पुजारी का उचित बलिदान करो, और इसे चारों ओर मत फैलाओ।

आधे समय तो वे इसे वैसे ही फैला देते हैं। लेकिन वह लोगों को भड़काने की कोशिश नहीं कर रहा है। वह पानी को शराब में बदल देता है।

ऐसा लगता है कि वह खुद पर ज़्यादा ध्यान नहीं खींच पा रहा है। वह ऐसा करना नहीं चाहता। अध्याय 7, हमने वास्तव में इसे कभी नहीं पढ़ा।

उसके अपने भाईयों को उस पर विश्वास नहीं था।

इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि वह अपने पुनरुत्थान के बाद जेम्स के सामने प्रकट होता है। आह, लेकिन यह सुंदर था। मुझे यकीन है कि जेम्स के पास पश्चाताप के आँसू थे।

इसके बाद यूहन्ना 7:1 यीशु गलील में घूमता रहा। वह यहूदिया में नहीं घूमता था क्योंकि यहूदी उसे मार डालना चाहते थे। हाँ, वह परमेश्वर है, और वह सर्वोच्च है। वह जिसे चाहता है उसे अनन्त जीवन देता है।

अध्याय 5 उसकी आवाज़ से मरे हुए जी उठेंगे। अध्याय 5:28, 29 वह परमेश्वर है। पिता और मैं एक हैं।

यूहन्ना 10:30 भेड़ों को बार-बार बचाए रखने की हमारी क्षमता में, वह परमेश्वर है। मेरे पिता अब तक काम कर रहे हैं, और मैं काम कर रहा हूँ। यूहन्ना 5 लंगड़े आदमी को चंगा करने को परमेश्वर के प्रतिदिन के दैवी कार्य के बराबर बताता है।

ब्रह्मांड को चालू रखना। लेकिन वह भी जिम्मेदार है। क्या हम इन चीजों को एक साथ पूरी तरह से जोड़ सकते हैं? नहीं, उतना ही नहीं जितना हम किसी भी मामले में ईश्वरीय संप्रभुता और मानवीय जिम्मेदारी को एक साथ पूरी तरह से जोड़ सकते हैं। लेकिन वे दोनों सच हैं।

इसलिए, हमें उन्हें स्वीकार करना चाहिए, और उन्हें यथासंभव सर्वोत्तम तरीके से एक साथ रखना चाहिए। झोपड़ियों या तंबूओं का पर्व निकट था। उसके भाइयों ने उससे कहा कि वह यहाँ से चले जाए और यहूदिया चला जाए ताकि उसके शिष्य भी उसके द्वारा किए जा रहे कार्य को देख सकें।

मैं इसे सही से नहीं पढ़ पा रहा हूँ क्योंकि यह व्यंग्यात्मक है, क्योंकि कोई भी व्यक्ति अगर खुलेआम जाना चाहता है तो वह गुप्त रूप से काम नहीं करता। अगर आप ये काम करते हैं, तो खुद को दुनिया के सामने पेश करें।

यह व्यंग्य से भरा हुआ था। जॉन की व्याख्यात्मक टिप्पणी संपादकीय टिप्पणी थी क्योंकि उसके भाई भी उस पर विश्वास नहीं करते थे। जाओ और अपनी जादू की यात्राएँ, जादूगर की चालें, जादूगरी दिखाओ, तुम एक सार्वजनिक व्यक्ति, एक महान व्यक्ति बनना चाहते हो, जाओ और करो।

आह, यह बात स्वीकार करना कठिन रहा होगा। उसके अपने परिवार को भी उस पर विश्वास नहीं था। ओह, मेरी को तो था।

मुझे नहीं पता कि यूसुफ की मृत्यु कब हुई, लेकिन वह नहीं मरा। जब यीशु मरा तो वह निश्चित रूप से मौजूद नहीं था। यीशु को उसे प्रेरित यूहन्ना जेबेदी के बेटे को सौंपने की ज़रूरत नहीं थी। आह यीशु ने कहा कि मेरा समय अभी नहीं आया है।

समय की कहावत है। ओह, यह एक ज़िंगर है। लेकिन आपका समय हमेशा यहीं रहता है।

वह अपने भाइयों के पापों को उजागर करके उनसे प्रेम भी करता है। मेरा अनुमान है कि उस समय, उनके पास इस कार्य की एक अलग व्याख्या होगी। संसार तुमसे घृणा नहीं कर सकता, लेकिन वह मुझसे घृणा करता है क्योंकि मैं गवाही देता हूँ कि उसके कार्य बुरे हैं।

दूसरे शब्दों में, हे भाइयों, तुम संसार के हो। तुम पर्व में जाओ। मैं इस पर्व में नहीं जा रहा हूँ, क्योंकि मेरा समय अभी पूरा नहीं हुआ है।

यह कहने के बाद, वह गलील में ही रहा। मुझे लगता है कि मुझे खुशी है कि ESV ने अब इस शब्द को वहाँ नहीं रखा है, लेकिन संदर्भ से स्पष्ट रूप से इसका यही अर्थ है। मैं अब इस पर्व पर नहीं जा रहा हूँ क्योंकि उसके भाइयों के पर्व पर जाने के बाद वह भी वहाँ गया, सार्वजनिक रूप से नहीं बल्कि निजी तौर पर।

यहीं से मुझे यह व्याख्या मिलती है, और यह एक व्याख्या है। न तो दो और न ही सात में जॉन ने ऐसा कहा है, लेकिन मेरी समझ से दो-समय की बातें दो, चार, सात, छह और आठ यीशु के पिता की समय-सारणी का पालन करने और अंततः जो हुआ उसका उपयोग करने के लिए सार्वजनिक

रूप से दिखावा नहीं करना चाहते थे। वह नहीं चाहते थे कि विजयी प्रवेश बहुत जल्दी हो क्योंकि वह बहुत जल्दी क्रूस पर नहीं चढ़ना चाहते थे।

उन्होंने साढ़े तीन साल तक सार्वजनिक सेवा की, जिसमें उपदेश देना, शिक्षा देना, बीमारों को चंगा करना और दुष्टात्माओं को निकालना शामिल था, हालाँकि यूहन्ना ने इसका उल्लेख नहीं किया है। यहूदी लोग पर्व के समय उसे ढूँढ रहे थे। ओह, आप शर्त लगा सकते हैं कि वे थे। वे उस पर किसी बात का आरोप लगाने की कोशिश कर रहे थे। वह कहाँ है? लोगों के बीच उसके बारे में बहुत कुछ कहासुनी हो रही थी, और अंदाज़ा लगाइए कि उनकी प्रतिक्रियाएँ क्या थीं।

कुछ लोगों ने कहा कि वह सकारात्मक प्रतिक्रिया के साथ एक अच्छा आदमी है। दूसरों ने कहा नहीं, वह नकारात्मक प्रतिक्रियाओं के साथ लोगों को गुमराह कर रहा है। हम ऐसा कितना पाते हैं? हे भगवान, प्रस्तावना, अध्याय एक, दस, तेरह से लेकर लगातार।

फिर भी, यहूदियों के डर से, कोई भी उसके बारे में खुलकर बात नहीं करता था। अंधे आदमी के पिता के माता-पिता डर गए थे। यहूदियों के पास फिर से लोगों पर अधिकार था। मैं कहूँगा कि यही एक कारण है कि यीशु ने शनिवार को चंगा किया।

यही कारण है कि हमारे पास मत्ती 23 है: हे कपटी शास्त्रियों और फरीसियों, तुम पर हाय। यीशु को उन लोगों पर से उनका शिकंजा तोड़ना पड़ा जो बिना चरवाहे की भेड़ों की तरह थे। दावत के बीच में, यीशु ऊपर गया और उपदेश देने लगा।

यहूदी लोग अचंभित होकर कहने लगे कि इस आदमी ने कैसे सीखा, जबकि इसने कभी अध्ययन नहीं किया। यह किसी का शिष्य नहीं था। इसके पास शिष्य हैं।

उसके पास कोई रब्बी नहीं है। ओह, उसके पास एक रब्बी है। वह कहता है कि मेरे पिता मेरे रब्बी हैं।

शिक्षा मेरी नहीं है, बल्कि जिसने मुझे भेजा है, उसका है - पिता मेरा शिक्षक है। और मुझे यह एक अद्भुत खुली आयत बहुत पसंद है जो आज भी उतनी ही मान्य है जितनी यीशु के दिनों में थी।

अगर किसी की इच्छा परमेश्वर की इच्छा पूरी करने की है, तो वह जान जाएगा कि यह शिक्षा परमेश्वर की ओर से है या मैं अपने अधिकार से बोल रहा हूँ। हमें आज लोगों के साथ उस आयत का इस्तेमाल करना चाहिए। ओह, मुझे नहीं पता।

किसी को इसे पढ़ने के लिए कहें, उन्हें समझाएँ, और कहें कि यदि आप यूहन्ना के सुसमाचार को पढ़ने में खुले मन से काम करते, तो मैं प्रार्थना करता और आपके जीवन में परमेश्वर को काम करते हुए देखता। क्या मूसा ने तुम्हें व्यवस्था नहीं दी है? फिर भी तुममें से कोई भी व्यवस्था का पालन नहीं करता। वाह।

वह अब गंभीर डच बन गया है। तुम मुझे क्यों मारना चाहते हो? भीड़ ने कहा कि उसमें एक शैतान है। तुम्हें कौन मारना चाहता है? और यीशु आगे बढ़ता है और उन्हें उनके ही खेल में हरा देता है।

मैंने एक काम किया , और तुम सबने इस पर आश्चर्य किया। मूसा ने तुम्हें खतने की आज्ञा दी, यह मूसा से नहीं बल्कि पूर्वजों से है, और तुम सब के दिन एक आदमी का खतना करते हो। तुम सब के दिन थोड़ा सा मांस काटते हो।

अगर सब के दिन किसी व्यक्ति का खतना किया जाता है, तो यह एक छोटी सी सर्जरी है, अगर आप कहें तो यह एक छोटी सी शारीरिक प्रक्रिया है। अगर यह किसी बच्चे के जीवन का आठवाँ दिन है, तो उसका खतना सब के दिन किया जाता है। वे सब के दिन काम कर रहे हैं।

अरे नहीं। यदि सब के दिन एक आदमी का खतना किया जाता है ताकि मूसा की व्यवस्था न टूटे, तो क्या तुम मुझ पर इसलिए नाराज़ हो कि मैंने सब के दिन एक आदमी के पूरे शरीर को ठीक किया, न कि सिर्फ उसकी पराई त्वचा को निकाला? दिखावे से न्याय न करें बल्कि सही न्याय से न्याय करें। दूसरे शब्दों में, व्यवस्था का पालन व्यवस्था की आत्मा से करें न कि सिर्फ अक्षर से।

भगवान के लिए, मैं नहीं हूँ। अपने मसीहा को अस्वीकार करने के लिए कानून के पत्र को लागू न करें। और लोग फिर से हैरान हैं। मैं पिता से हूँ, वह कहता है।

मैं उसे जानता हूँ क्योंकि मैं उसी से आया हूँ और उसी ने मुझे भेजा है। वे उसे गिरफ्तार करना चाहते थे, लेकिन किसी ने उस पर हाथ नहीं डाला। क्या तुम जानते हो क्यों? क्योंकि उसका समय अभी तक नहीं आया था।

7:30, 8:20 के साथ, पिता द्वारा पुत्र की सुरक्षा को दर्शाता है। ओह, पुत्र यूहन्ना के यहूदिया 7:1 से बचता है क्योंकि वे उसे पकड़ना चाहते हैं, और वह पिता को लुभाने वाला नहीं है। ओह, लेकिन जब पिता की इच्छा होती है, तो वह वहाँ होता है, और वह भरोसा करता है, और कोई भी उस पर हाथ नहीं डालता क्योंकि मरने के लिए उसका नियत समय उगता है और वापस आता है, जिसे 13.1 वास्तव में हमारे लिए उन शब्दों में परिभाषित करता है जो अभी तक नहीं आया है।

बहुत से लोगों ने उस पर विश्वास किया क्योंकि उसके अपने संदेश उन्हें उलझन में डाल देते थे। नेताओं ने उसका विरोध किया क्योंकि उनके अपने मित्रों ने कहा कि हाँ, लेकिन यह समझ में नहीं आता है, और यह मसीहा के बारे में हमारी जानकारी से मेल नहीं खाता। उन्होंने कहा कि जब मसीह प्रकट होगा, तो क्या वह इस आदमी से ज़्यादा चिन्ह दिखाएगा? नहीं, वह नहीं दिखाएगा। तभी फरीसी उसे गिरफ्तार करने के लिए लोगों को भेजते हैं, और वे खाली हाथ वापस आते हैं क्योंकि किसी भी व्यक्ति ने कभी इस तरह से बात नहीं की जिस तरह से इस आदमी ने बात की है।

हम अपने अगले व्याख्यान में इस पर फिर से चर्चा करेंगे, एक और अवसर पर जब वे उसे पत्थर मारना चाहते थे, लेकिन वे सफल नहीं हुए। वे ऐसा इसलिए भी नहीं कर पाए क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें रोक रखा था। उसका समय अभी नहीं आया था।

यह रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा जोहानिन थियोलॉजी पर दिया गया शिक्षण है। यह सत्र 8 है, यीशु के संकेत, भाग 2, यीशु के समय के कथन, भाग 1।